ध्येय पथ

दिसम्बर 2024

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक
श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
श्री अभिनव त्रिपाठी

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,

जंगल धूसड़, गोरखपुर

विश्व एड्स दिवस –

01 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रोवर्स/रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व एड्स दिवस' के अवसर पर जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त तथा श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

एक दिवसीय शिविर –

01 दिसम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 'एक दिवसीय शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर के अन्तर्गत स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय परिसर में साफ–सफाई की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान –

02 दिसम्बर को कम्प्यूटर विभाग के द्वारा 'विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस' के अवसर पर विशिष्ट का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में कम्प्यूटर विभाग के प्रभारी श्री सूरज मिश्रा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम –

03 दिसम्बर को कम्प्यूटर विभाग के द्वारा 'विश्व कम्प्यूटर ग्राफिक्स दिवस' के अवसर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में कम्प्यूटर विभाग के सहायक आचार्य श्री सूरज मिश्रा ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द आपरेशन हेतु चयन शिविर –

08 दिसम्बर को श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉपिस्टल एवं रिसर्च सेंटर तथा गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में मिशन मंझरिया के अन्तर्गत निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु चयन शिविर का शुभारम्भ करते हुए गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. हिमांशु दीक्षित ने बताया कि चिकित्सालय हमेशा गरीब और असहाय लोगों की सेवा में हमेशा तत्पर रहता है। शिविर में 156 रोगियों का रजिस्ट्रेशन हुआ तथा 27 रोगियों को नेत्र विभाग द्वारा चिन्हित किया गया।

शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम –

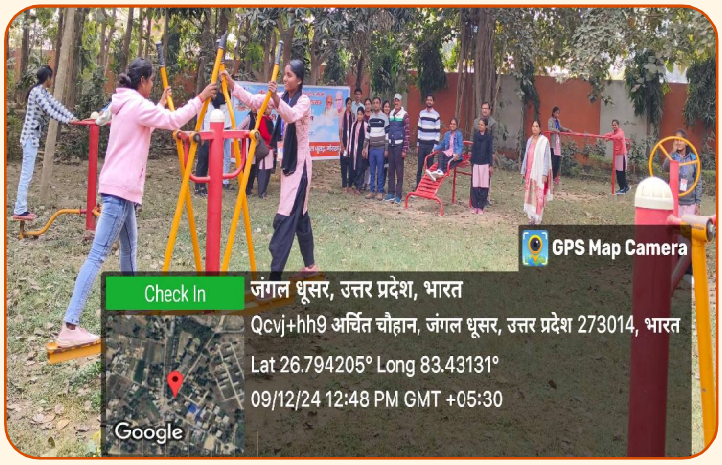

09 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती वर्ष के स्मरणोत्सव' के अनुक्रम में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. विभाग के विद्यार्थियों ने महाविद्यालय परिसर में स्थित जिम में शारीरिक व्यायाम से सम्बन्धित कौशल सीखें। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

डिजिटल इंडिया जागरूकता अभियान –

09 दिसम्बर को कम्प्यूटर विभाग द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम बड़ी जमुनहिया में डिजिटल इंडिया जागरूकता अभियान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम ने ग्रामवासियों को डिजिटल ट्रांजेक्शन तथा पेमेंट के नवीन तरीकों को बताया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सूरज मिश्रा ने किया।

पुस्तक विमोचन –

10 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर द्वारा आयोजित 'संस्थापक समारोह–2024' के मुख्य महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी के कर–कमलों से शिक्षा शास्त्र विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह की पुस्तक 'शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का विमोचन किया गया।

बहुभाषी सांस्कृतिक कार्यक्रम –

11 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में 'लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती वर्ष के स्मरणोत्सव' के अनुक्रम में बहुभाषी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया।

योग्यता छात्रवृत्ति पुरस्कार विवरण समारोह –

11 दिसम्बर को महाविद्यालय में योग्यता छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपने–अपने कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रथम दो विद्यार्थियों को भटवली महाविद्यालय के पूर्व आचार्य डॉ. बलवान सिंह द्वारा नगद छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुश्री दिव्या दूबे, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री आदित्य प्रताप सिंह, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री शिवानी गौड़, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री गरिमा यादव, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री अनिता यादव, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री पूजा भारद्वाज बी.ए. पंचम सेमेस्टर, श्री आदित्य यादव, बी.ए. पंचम सेमेस्टर, श्री अश्वनी कुमार पटेल, बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर, श्री कोमल सिंह, बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री जान्हवी दूबे, बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री शुभी, बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री कुसुम चौरसिया, बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर, सुश्री पल्लवी मिश्रा, बी.एस–सी. पंचम सेमेस्टर, सुश्री आकांक्षा सहानी, बी.काम. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री नेहा प्रजापति, बी.काम. प्रथम सेमेस्टर, श्री नीतिन शर्मा, बी.काम. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री महक सिंह, बी.काम. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री निदा फातिमा, बी.काम. पंचम सेमेस्टर, सुश्री नेहा सिंह, बी.काम. पंचम सेमेस्टर,

सुश्री सभ्या सिंह, एम.ए. समाजशास्त्र, तृतीय सेमेस्टर, सुश्री सन्ध्या चौहान, एम.ए. समाजशास्त्र तृतीय सेमेस्टर, सुश्री सन्ध्या चौहान, एम.ए. समाजशास्त्र तृतीय सेमेस्टर, सुश्री अस्मिता सिंह, एम.ए. गृह विज्ञान तृतीय सेमेस्टर, सुश्री दीक्षा सिंह, एम.ए. गृह विज्ञान तृतीय सेमेस्टर श्री संगम एम.ए. भूगोल तृतीय सेमेस्टर श्री हिमांशु कुमार मिश्रा, एम.ए. भूगोल तृतीय सेमेस्टर, सुश्री सोनी एम.ए. प्राचीन इतिहास, तृतीय सेमेस्टर श्री अजय कुमार, एम.ए. प्राचीन इतिहास तृतीय सेमेस्टर, सुश्री शालू विश्वकर्मा, एम.ए. प्राचीन इतिहास तृतीय सेमेस्टर श्री विनय शंकर तिवारी, एम.ए. हिन्दी तृतीय सेमेस्टर, श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, एम.ए. हिन्दी तृतीय सेमेस्टर, सुश्री खुशबू प्रजापति, एम.ए. इतिहास तृतीय सेमेस्टर, श्री मान सिंह, एम.ए. इतिहास तृतीय सेमेस्टर श्री धीरज यादव, एम.एस–सी. रसायन शास्त्र प्रथम सेमेस्टर, सुश्री स्मृति रावत,

एम.एस–सी. रसायन शास्त्र प्रथम सेमेस्टर, सुश्री अर्शिया फातिमा एम.एस–सी., रसायन शास्त्र तृतीय सेमेस्टर, सुश्री वंशिका गुप्ता, एम.एस–सी. रसायन शास्त्र तृतीय सेमेस्टर श्री राजेश, यादव एम. एस–सी. रसायन शास्त्र तृतीय सेमेस्टर, श्री सदानन्द चौहान, एम.काम. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री रिशु राज, एम.काम. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री ममता मझवार, एम.काम. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री चन्चल यादव, एम.काम. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री अंशिका श्रीवास्तव, बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री अमन शर्मा, बी.सी.ए. प्रथम सेमेस्टर, सुश्री अपराजिता उपाध्याय, बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री कंचन सिंह, बी.सी.ए. तृतीय सेमेस्टर, सुश्री अर्चना सिंह, बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री शिशिर कुमार, बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री सुधीर, कृष्ण शुक्ल, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर, श्री बिदूर तिवारी, बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर, श्री अखिल कुमार, बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर, सुश्री कीर्ति राय, बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर को छात्रवृत्ति प्रदान किया गया।

ग्राम दर्शन –

13 दिसम्बर को गणित एवं सांख्यिकी विभाग के तत्वावधान में 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम धोधड़ा में ग्राम दर्शन के आलोक में जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री पप्पू कुमार गुप्ता ने किया।

ग्राम दर्शन –

16 दिसम्बर को रसायन विज्ञान विभाग के द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के तहत विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम रामपुर में ग्राम दर्शन के परिप्रेक्ष्य में स्वच्छता एवं पोषण के प्रति जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक स्वच्छता भोजन से पूर्व एवं पश्चात हाथ और मुंह की सफाई, संतुलित आहार आदि केन्द्र बिन्दु रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

ग्राम दर्शन –

17 दिसम्बर को वनस्पति विज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम शेखवनिया में ग्राम दर्शन के दौरान एकल उपयोग प्लास्टिक का उन्नमूलन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अभय श्रीवास्तव ने किया।

ग्राम दर्शन –

20 दिसम्बर को भूगोल विभाग के तत्वावधान में 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम जंगल औराही में ग्राम दर्शन के आलोक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्नातक भूगोल प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थी सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजक डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

स्वच्छता रैली –

20 दिसम्बर को हिन्दी विभाग के द्वारा 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम बड़ी रेतवहिया में स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए स्वच्छता के महत्व को बताया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम–

23 दिसम्बर को मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम छोटी जमुनहिया में मानसिक स्वास्थ्य जागरूता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय किया।

कविता एवं भाषण कार्यक्रम –

24 दिसम्बर को बी.एड्. विभाग के द्वारा 'लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयन्ती वर्ष स्मरणोत्सव' के अनुक्रम में 'भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जयन्ती' के अवसर पर सुशासन सप्ताह में अटल बिहारी वाजपेयी से सम्बन्धित कविता एवं भाषण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

विचार गोष्ठी एवं काव्य भाषण –

25 दिसम्बर को रोवर्स/रेंजर्स के तत्वावधान में 'भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल विहारी वाजपेयी के जयन्ती' के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं काव्य भाषण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोवर्स/रेंजर्स के स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

प्लास्टिक प्रदूषण : कारण, न्यूनीकरण एवं उपाय के प्रति ग्रामीण जागरूकता अभियान – 27 दिसम्बर को भूगोल विभाग के तत्वावधान में 'उन्नत भारत अभियान' के अन्तर्गत विभाग द्वारा अभिगृहीत ग्राम जंगल औराही में प्लास्टिक प्रदूषण : कारण, न्यूनीकरण एवं उपाय के प्रति ग्रामीण जागरूता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा ग्रामीणों को प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभाव तथा बचाव के तरीकों को बताया गया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

ग्राम दर्शन – 29 दिसम्बर को प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में 'उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत' विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम छोटी रेतवहियां में ग्राम दर्शन कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों तथा शिक्षकों द्वारा शीत ऋतु में होने वाली बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव और विभिन्न सरकारी योजनाओं से जागरूक कराया गया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग प्रभारी श्री इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया।

ग्राम दर्शन – 29 दिसम्बर को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा 'उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत' विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम लालगंज एवं मीरगंज में ग्राम्य दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के कुल पांच समूहों द्वारा ग्राम सर्वेक्षण किया गया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग प्रभारी डॉ. रमाकान्त दूबे ने किया।

समाचार पत्रों में ....

आज गोरखपुर
गोरखपुर, शुक्रवार, ६ दिसम्बर २०२४

गोरखवाणी प्रतियोगिता वरिष्ठ वर्ग में आदित्य पाण्डेय को मिला प्रथम स्थान

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह 2024 के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन

गोरखपुर, ५ दिसम्बर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक सप्ताह समारोह 2024 के अन्तर्गत आज चित्रकला प्रतियोगिता, योगासन प्रतियोगिता, गोरखवाणी प्रतियोगिता एवं शिक्षाप्रद संत वचन प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। योगासन (कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग), गोरखवाणी (कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग) एवं शिक्षाप्रद संत वचन प्रतियोगिता के परिणाम घोषित कर दिये गये। शोभा यात्रा एवं श्रेष्ठ पथ संचलन (दर्शन धींगरा स्मृति पुरस्कार) महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, सिविल लाइन्स एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ को संयुक्त रूप से। प्रथम स्थान, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, महराजगंज एवं महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय, रामदत्तपुर, संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान, महाराणा प्रताप सी.से. स्कूल मंगल देवी मन्दिर बेतियाहाता एवं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम बालापार संयुक्त रूप से तृतीय स्थान, दिग्विजयनाथ बालिका इण्टर कालेज चौक बाजार, महराजगंज एवं गुरू श्री गोरक्षनाथ कालेज ऑफ नर्सिंग बालापार सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। शोभा यात्रा के पथ संचलन में सर्वोत्तम एन.सी.सी. दल का स्व. गुरू प्रसाद सरकार स्मृति पुरस्कार महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज के एन.सी.सी. बटालियन को प्राप्त हुआ। योगासन प्रतियोगिता कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान आकृति भूसिया कक्षा 6 महाराणा प्रताप चिल्ड्रेन एकेडमी सिविल लाइन्स, द्वितीय स्थान प्रियांशु पाण्डेय कक्षा 8, सरस्वती शिशु मन्दिर, पक्कीबाग, तृतीय स्थान शिवा चौहान, कक्षा 8, महाराणा प्रताप इण्टर कालेज को प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान राम जी, कक्षा 9, महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, द्वितीय स्थान कृष्णा कक्षा 11 महात्मा गाँधी इण्टर कालेज, तृतीय स्थान गणेश शंकर कक्षा 9, सरस्वती शिक्षा मन्दिर पक्कीबाग को प्राप्त किया। गोरखवाणी प्रतियोगिता कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान पायल दूबे कक्षा 9 महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज, रामदत्तपुर, द्वितीय स्थान [illegible] कक्षा 8, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज, रामदत्तपुर, तृतीय स्थान आस्था गुप्ता, कक्षा 8, महाराणा प्रताप चिल्ड्रेन एकेडमी सिविल लाइन्स को प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान आदित्य पाण्डेय, कक्षा 11, श्री गोरखनाथ संस्कृत विद्यापीठ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखनाथ, द्वितीय स्थान वसुधा बर्नवाल कक्षा 11 महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, तृतीय स्थान दिव्यांशी गुप्ता कक्षा 11, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर को प्राप्त किया। शिक्षाप्रद संत वचन प्रतियोगिता कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान नित्या शर्मा कक्षा 9 दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, महराजगंज, द्वितीय स्थान अभय दुबे कक्षा 10, महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, तृतीय स्थान प्रभात दूबे, कक्षा प्रथमा, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ को प्राप्त किया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता मध्याह्न 12 बजे से दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय में सम्पन्न होगी। उक्त जानकारी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह संचालन समिति के सदस्य डॉ. नितीश शुक्ल द्वारा दी गई।

अमर उजाला
गोरखपुर | सोमवार, 9 दिसंबर 2024 7

निशुल्क नेत्र शिविर में जांच कर दीं दवाएं

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ में नेत्र परीक्षण व मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयन शिविर में 156 मरीजों ने रविवार को पंजीकरण कराया। इस दौरान जांच कर मरीजों को दवाएं दी गई। 27 रोगियों को ऑपरेशन की तारीख दी गई। शिविर का शुभारंभ गोरखनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डॉ. हिमांशु दीक्षित ने किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय हमेशा गरीब, असहाय लोगों की सेवा में तत्पर रहता है। कार्यक्रम में डॉ. दिवाकर मिश्रा, डॉ. जेके मिश्रा, विनोद सिंह नेगी, प्रेम शाही, प्रवीन आदि मौजूद रहे। संवाद

सहारा
गोरखपुर। सोमवार • 9 दिसम्बर • 2024

27 नेत्र रोगी आपरेशन के लिए चिह्नित

गोरखपुर (एसएनबी)। श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर तथा गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द आपरेशन हेतु चयन शिविर का आयोजन महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूषण में किया गया। शिविर का शुभारम्भ गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के निदेशक कर्नल डा. हिमांशु दीक्षित ने गुरु गोरखनाथ जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया।

निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिन्द आपरेशन हेतु चयन शिविर का महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूषण में किया गया आयोजन

निदेशक श्री दीक्षित ने कहा कि चिकित्सालय हमेशा गरीब और असहाय लोगों की सेवा में तत्पर रहता है। सीएम योगी आदित्यनाथ के आर्शीवाद से शिविर का आयोजन किया गया है। इस तरह का शिविर लगातार मार्च 2025 तक अलग-2 जगह पर आयोजित किया जायेगा। शिविर में चिकित्सालय के उच्चीकृत नेत्र विभाग द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण कर मोतियाबिन्द काला मोतिया, भैगापन तथा आंख की अन्य रोगों की निःशुल्क जांच भी हुई। नेत्र रोग विशेषज्ञ डा पवन कुमार यादव ने रोगियों का नेत्र परीक्षण किय जबकि फिटनेस डा. अनूप श्रीवास्तव वरिष्ठ फिजिशियन द्वारा किया गया। शिविर में कुल 156 रोगियों क रजिस्ट्रेशन हुआ है। रोगी को परामर्श के उपरान्त निःशुल्क दवाएं भी दी गयी तथा 27 रोगियों को नेत्र विभाग द्वारा चिन्हित किया गया है जिन्हे आपरेशन की तारीख दी गयी है वह रोगी निश्चित तारीख को आयेंगे और उनका निशुल्क आपरेशन होगा। मोतियाविन्द का निःशुल्क आपरेशन बिना टांका विधि से इन्ट्राआक्यूलर लेन्स लगाकर चिकित्सालय में गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के नेत्र विशेषज्ञों द्वारा किया जायेगा। इस दौरान डा. दिवाकर मिश्रा, डा. जेके मिश्रा, विनोद सिंह नेगी, प्रेम शाही, प्रवीन कुमार, रूपक, मनोज श्रीवास्तव, अमूल्य श्रीवास्तव, कृष्णा यादव, दशरथ वरूण एवं रवि सहित चिकित्सालय के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

IV दैनिक जागरण गोरखपुर, 11 दिसंबर, 2024

मिला प्रतिभा को सम्मान त

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के समापन कार्यक्रम में कैलाश सत

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन व पुरस्कार वितरण के कप्तान को पुरस्कार राशि का चेक व ट्राफी प्रदान करते मुख्य अतिथि नोबेल शांति पुरस् योगी आदित्यनाथ, सांसद रवि किशन, महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव, प्रो. यूपी सिंह व गु

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : बीती चार नवंबर से शुरू हुआ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह मंगलवार को मुख्य समारोह के आयोजन के साथ सम्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी की मौजूदगी महत्वपूर्ण रही। मुख्य अतिथि ने जहां अपने प्रेरणादायी संबोधन से कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया, उन्हें दया व करुणा का पाठ पढ़ाया, वहीं अपने हाथों से पुरस्कृत कर उनके हौसलों को उड़ान दी।

सत्यार्थी ने समापन कार्यक्रम के मंच से 200 उन बच्चों को पुरस्कृत किया, जिन्होंने संस्थापक समाप्त समारोह के अंतर्गत पांच से नौ दिसंबर के बीच आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया था। साढ़े तीन घंटे चले इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि सत्यार्थी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस प्रदर्शनी के अवलोकन से हुई, जो आयोजन स्थल महाराणा प्रताप इंटर कालेज के हाल में लगाया गया था। प्रदर्शनी में दिखाई गई 1932 से अबतक की गोरखपुर व महाराणा शिक्षा परिषद की विकास यात्रा को देख कैलाश सत्यार्थी प्रभावित हुए।

अतिथियों के मंचासीन होने के बाद समापन कार्यक्रम शुरू हुआ। सबसे पहले संचालक श्रीभगवान सिंह के आमंत्रण पर शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

उसके बाद बारी-बारी से मुख्य अतिथि और मुख्यमंत्री का संबोधन हुआ। अंत में शुरू हुआ पुरस्कार वितरण का क्रम। बारी-बारी से प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी मंच पर आते रहे और तालियों के बीच मुख्यमंत्री के हाथों पुरस्कृत होते र अंत में दिग्विजयनाथ पीजी कालेज प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने स के प्रति आभार ज्ञापित किया।

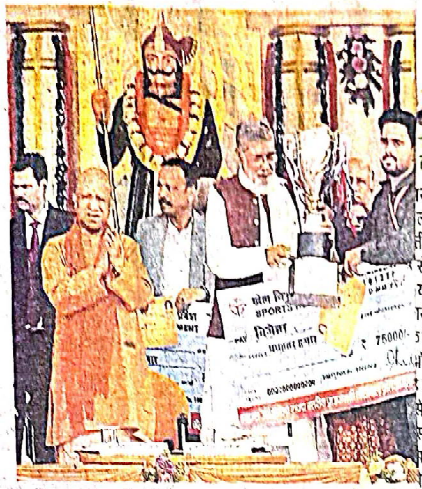

इस दौरान मंच पर कैलाश सत्य की पत्नी सुमेधा, सांसद रवि किश महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्त एमएलसी डा. धर्मेंद्र सिंह, विधा फतेह बहादुर सिंह, प्रदीप शुक विपिन सिंह, राजेश त्रिपाठी, महेंद्र

र उठने या विशेषता रा

कारण भी

संतुलन : हाइपोथायराडिज्म लगातार थकान की समस्या ती है। हालांकि, इसकी से जांच व उपचार संभव है। या मिनरल्स अल्पता री या वीगन डाइट पर निर्भरता या माहवारी ओं के चलते आयरन की कमी । विटामिन-डी और बी12 से भी थकान होती है। इसका सप्लीमेंट से हो सकता है। समस्याएं : डायबिटीज, र पेट की समस्याएं थकान बनती है। इसके अलावा जैसी कुछ दवाओं के थकान हो सकती है। ाओं के निदान का पुख्ता त्सक की सलाह ही है।

ने की मांसपेशियों में होता है, जिससे सांस र नींद टूटती है। उपचार हो सकते हैं। इसस होने से रात में

ही मिथकों को स्पष्ट किया गया है।

कैल्शियम के अवशोषण के लिए अहम : विटामिन-डी की कमी का मुख्य प्रभाव कैल्शियम के अवशोषण पर पड़ता है, यानी खानपान से आप जो कैल्शियम ले रहे हैं, उसका अवशोषण जरूरी है, अन्यथा उसका दुष्प्रभाव होता है। हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम अनिवार्य पोषक तत्व है। यह मांसपेशियों, नसों और दांतों को भी मजबूत बनाता है।

धूप का सेवन क्यों जरूरी : घर या दफ्तर के भीतर काम करने जैसे कई कारण हैं, जिससे लोग धूप से वंचित रह जाते हैं। यह विटामिन-डी की कमी का मुख्य कारण बताया गया है। वहीं, धूप में काम करने वाले जैसे स्ट्रीट वेंडर या यातायात पुलिसकर्मी, श्रमिकों में विटामिन-डी का स्तर सामान्य रहता है। एम्स दिल्ली के शोध में पाया गया कि बिना किसी पूरक दवा के सुबह 10 बजे से दोपहर दो बजे तक पर्याप्त धूप में रहने से ही इन वर्गों में विटामिन-डी का स्तर लगभग 20 नैनोग्राम प्रति मिलीलीटर रहता है।

प्राचीन काल से कहावत है कि खनिजों में जो स्थान स्वर्ण का है, औषधियों में वही महत्व आंवले का है। चरक और सुश्रुत जैसे आचार्यों ने ऐसी किसी बीमारी का वर्णन नहीं किया, जिसमें आंवले का उपयोग शामिल न हो। औषधीय पौधों के वेत्ता पंडित भावप्रकाश ने तो कहा है कि आंवला ऐसा रसायन है जो रोगों को दूर करने के साथ वृद्धावस्था की गति को भी कम कर देता है। आंवले के पूरे पेड़ में औषधीय गुण विद्यमान होते हैं, पर मुख्य रूप से फल को ही प्रयोग में लाया जाता है। इसके

डा. आर. वात्स्यायन
आयुर्वेदाचार्य, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ

मूल्यों और आदर्शों को आगे बढ़ाने को प्रतिबद्ध है शिक्षा परिषद

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम में अध्यक्षीय संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने संस्थापकों के मूल्यों और आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए 92 वर्षों से निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जब देश गुलामी की बेड़ियों में ज़कड़ा हुआ था और नागरिकों के मन में असमंजस की स्थिति थी, तब युवाओं में देशहित और स्वाभिमान की भावना को जगाने के लिए 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने शिक्षा परिषद की स्थापना की थी।

समापन व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में शिप्रा सिंह की पुस्तक का लोकार्पण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मुख्य अतिथि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी उनकी पत्नी सुमेधा, सांसद रवि किशन व अन्य • जागरण

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
गोरखपुर, बुधवार, 11 दिसंबर 2024
04

मंगलवार को समापन समारोह के दौरान पुस्तक का विमोचन करते कैलाश सत्यार्थी व सीएम योगी आदित्यनाथ। साथ में पुस्तक की लेखिका शिप्रा सिंह।

'शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का विमोचन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन अवसर के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने एमपी पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ में शिक्षा शास्त्र विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह की पुस्तक 'शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का विमोचन भी किया।

सीएम और नोबेल विजेता के हाथों पुरस्कार, खिले उठे बच्चों के चेहरे

गोरखपुर, निज संवाददाता। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी को अपने बीच पाकर विद्यार्थियों के साथ ही मौजूद हजारों लोग अभिभूत दिखे। जिनके बारे में सिर्फ किताबों और पत्र-पत्रिकाओं में पढ़ा था और टीवी पर देखा था, उन्हें साक्षात अपने सामने देखकर हर कोई गदगद था।

कैलाश सत्यार्थी को करीब से देखने की लालसा पाले लोगों ने उनकी बातें न सिर्फ गौर से सुनी बल्कि अंगीकार करने की आतुरता भी दिखी। जिन करीब 200 मेधावियों को उनके हाथों पुरस्कार प्राप्त हुआ, उनके चेहरे खिल उठे। अवसर था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव (पुरस्कार वितरण) का। सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ समारोह के मुख्य अतिथि कैलाश सत्यार्थी मंच पर आए तो तालियों से और खड़ा होकर सभी ने उनका स्वागत किया। करीब डेढ़ सौ देशों में बच्चों के लिए काम कर रहे कैलाश सत्यार्थी ने भी सभी की भावनाओं की कद्र करते हुए दिल खोलकर बातें की।

बास्केटबॉल और वॉलीबॉल टीमों के कप्तान भी पुरस्कृत: महंत दिग्विजयनाथ राज्य स्तरीय प्राइजमनी बास्केटबॉल प्रतियोगिता की विजेता गोरखपुर के कप्तान रितेश यादव, उपविजेता वाराणसी के कप्तान आदर्श सिंह और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली आगरा टीम के कप्तान नितिन राजपूत को क्रमशः 75, 50 और 30 हजार की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह महंत अवेद्यनाथ राज्य स्तरीय प्राइजमनी वॉलीबॉल टीम की विजेता महाराणा प्रताप एकेडमी लखनऊ के कप्तान आदित्य प्रताप सिंह, उपविजेता गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ के कप्तान विकास मान और तृतीय स्थान पाने वाली अयोध्या छात्रावास टीम के कप्तान सिद्धार्थ सिंह को क्रमशः 75, 50 और 30 हजार की पुरस्कार राशि मंच से प्रदान की गई।

विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत करते कैलाश सत्यार्थी व सीएम योगी आदित्यनाथ।

विभिन्न श्रेणियों में इन्हें मिला स्वर्ण पदक

• श्रेष्ठतम संस्था का महायोगी श्री गोरक्षनाथ स्वर्ण पदक - एमपी डिग्री इंटर कॉलेज, रामदतपुर • श्रेष्ठ परिचारक का ब्रह्मलीन महंत गोपालनाथ स्वर्ण पदक - बुजानद, एमपी इंटर कॉलेज, सिविल लाइंस • श्रेष्ठतम कर्मचारी के लिए योगिराज बाबा ब्रह्मनाथ स्वर्ण पदक - बृजेश विश्वकर्मा, दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज • श्रेष्ठतम शिक्षक के लिए योगिराज बाबा गंभीरनाथ स्वर्ण पदक - डॉ सुमित कुमार, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) • पीजी के श्रेष्ठतम विद्यार्थी का ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक- सागर चौधरी, दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज • स्नातक के श्रेष्ठतम विद्यार्थी का ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक - निमिष सिंह, एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ • हाईस्कूल-इंटर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी का महाराणा नेवाड़ स्वर्ण पदक - गौरी गौड़, एमपी बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस।

इन नौ विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति

एमपीएसपी के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ते हुए विशेष उपलब्धि हासिल करते हुए कुल 9 मेधावियों को विशेष छात्रवृत्ति दी गई। इनमें विजय प्रकाश मिश्र, दीपचन्द, कमलेश साहनी, अपूर्वा दूबे, अमन साहनी, गोल्डी सिंह, शालिनी गुप्ता, शालिनी और श्रीजल मौर्या शामिल है।

आज गोरखपुर
गोरखपुर, बुधवार ११ दिसम्बर २०२४

शिप्रा सिंह की पुस्तक 'शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का विमोचन

गोरखपुर, १० दिसम्बर। संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नोबल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के हाथों एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में शिक्षा शास्त्र विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह की पुस्तक 'शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का विमोचन भी किया गया।

संस्थापक सप्ताह के समापन समारोह में स्वागत संबोधन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह, आभार ज्ञापन डीवीएपीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह और संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया। इस अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम, के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय बलरामपुर के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अग्रवाल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, कैलाश सत्यार्थी की पत्नी सुमेधा सत्यार्थी, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी प्रदाधिकारी व सदस्य, परिषद से जुड़ी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों, शिक्षकों व विद्यार्थियों की सहभागिता रही।

गोरखपुर। बुधवार • 11 दिसम्बर • 2024 | राष्ट्रीय सहारा

शिप्रा सिंह की पुस्तक का हुआ विमोचन

संस्थापक समारोह के मुख्य महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नोबल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के हाथों एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में शिक्षा शास्त्र विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह की पुस्तक शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का विमोचन भी किया गया।

अमर उजाला | गोरक्षनगर

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह में शिप्रा सिंह की पुस्तक

अमर उजाला | गोरखपुर

ट्रेडिंग का जाल..10.94

छत्तीसगढ़ से नेहा शर्मा नाम की युवती ने कॉल कर शाह

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। शाहपुर के बशारतपुर के रहने वाले सेवानिवृत कानूनगो रामफल यादव के परिवार के साथ छत्तीसगढ़ से .एक महिला जालसाज ने कॉल कर ट्रेडिंग कर शेयर में अधिक मुनाफा कराने के नाम पर 10.94 लाख रुपये ऐंठ लिए। रामफल के बेटे जितेंद्र यादव की तहरीर पर छत्तीसगढ़ के जिला रायपुर के महोवा बाजार की नेहा शर्मा पर साइबर अपराध थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ठगी के प्रमुख मामले

- छह दिसंबर : [illegible] 15.11 लाख की हुई [illegible]
- अगस्त माह : [illegible] 26 लाख की जालसाजी।
- अगस्त माह : [illegible] की जालसाजी।
- जुलाई माह : इंजीनियर से दो करोड़ की जालसाजी।
- मई माह : गोला के क्लर्क कर्मचारी से 32 लाख की जालसाजी।
- मार्च माह : पीएनबी के बैंक मैनेजर से 70 लाख रुपये की जालसाजी।
- वर्ष 2023 दिसंबर : सीमेंट की दुकान के कर्मचारी से 38 लाख की जालसा[illegible]
- वर्ष 2023 दिसंबर : भलोटिया मार्केट के दुकानदार से नौ लाख की जालसा[illegible]

ट्रेडिंग शेयर का क्रय-विक्रय करके 10 से 30 फीसदी तक फायदा दिया जाता है। नेहा ने मध्य प्रदेश के बैंक खाते में परिवार के [illegible]

धनराशि बढ़ाई गई। [illegible] का प्रयास किया तो रुपये [illegible] मिले।

शक होने पर साइबर [illegible]

एमपी शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन सत्र में सीएम योगी ने टी[illegible]

खन के

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं में मोबाइल फोन के अत्याधिक इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की। कहा कि युवा पीढ़ी मोबाइल में अनावश्यक समय बिताने से बचे। अपना समय प्रकृति के बीच, रचनात्मक कार्यों, अध्ययन और कौशल विकास की गतिविधियों में बिताएं। आगाह किया कि हमें ध्यान रखना होगा कि तकनीकी हमसे संचालित हो, हम तकनीकी से संचालित न हों।

सीएम योगी, मंगलवार को एमपी इंटर कॉलेज में एमपी शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपने संस्थापकों के मूल्यों और आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए 92वर्षों से निरंतर प्रतिबद्ध के साथ कार्य कर रहा है। जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था और नागरिकों के मन में असमंजस की स्थिति थी। तब युवाओं में देश हित और स्वाभिमान की भावना को जगाने के लिए 1932 में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की। देश और स्वाभिमान की प्रेरणा के प्रतीक महाराणा प्रताप के त्याग और बलिदान को केंद्र में रखकर राष्ट्रवादी शिक्षा का कार्य प्रारंभ किया।

संस्थापक सप्ताह के समापन समारोह में स्वागत संबोधन महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. यूपी सिंह, आभार ज्ञापन डीवीएपीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह और संचालन डॉ. श्रीभगवान सिंह ने किया। गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह, मां पाटेश्वरी वश्विविद्यालय बलरामपुर के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह, सांसद रविकिशन शुक्ल, मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, कैलाश सत्यार्थी की पत्नी सुमेधा सत्यार्थी, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी आदि मौजूद रहीं।

समारोह में प्रमाणपत्र और मेडल के साथ पुरस्कृत विद्यार्थी। संवाद

कैलाश सत्यार्थी का जीवन सबके लिए प्रेरक

सीएम योगी ने कहा कि आज ही के दिन दस वर्ष पूर्व दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान नोबल पुरस्कार कैलाश सत्यार्थी को प्राप्त हुआ था। इनका जीवन प्रत्येक क्षेत्र के लोगों के लिए प्रेरक है। खासकर उन युवाओं के लिए जो किन्हीं कारणों से असमंजस की स्थिति में रहते हैं।

एमपी कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर को मिला श्रेष्ठतम संस्था का पुरस्कार

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक समारोह के समापन अवसर पर श्रेष्ठतम संस्था का पुरस्कार महायोगी श्रीगोरक्षनाथ स्वर्ण पदक कन्या इंटर कॉलेज रमदत्तपुर को मिला। श्रेष्ठतम परिचारक के लिए ब्रह्मलीन महंत गोपालनाथ स्वर्ण पदक एमपी इंटर कॉलेज सिविल लाइंस के बृजानंद, श्रेष्ठतम कर्मचारी के लिए योगिराज बाबा ब्रह्मनाथ स्वर्ण पदक डीवीएनपीजी कॉलेज के बृजेश विश्वकर्मा, श्रेष्ठतम शिक्षक के लिए योगिराज बाबा गंभीरनाथ स्वर्ण पदक गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) के शिक्षक डॉ. सुमित कुमार को मिला। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं में स्नातकोत्तर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी के रूप में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक डीवीएनपीजी कॉलेज के सागर चौधरी, स्नातक के श्रेष्ठतम विद्यार्थी के रूप में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के निमिष सिंह एवं हाईस्कूल-इंटर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी का महाराणा मेवाड़ स्वर्ण पदक एमपी बालिका इंटर कॉलेज सिविल लाइंस की गौरी गौड़ को दिया गया। इसके अतिरिक्त 12 मेधावियों को विभिन्न विभूतियों के नाम पर नकद राशि सहित स्मृति पुरस्कार और बोर्ड परीक्षा/विश्वविद्यालय परीक्षा में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले 9 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी गई। इसके अलावा संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और 800 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

डीडीयू के एनसीसी कैडेट को सीएम से मिला सम्मान

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन की मौजूदगी में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट को पुरस्कार प्रदान किया गया। एनसीसी कैडेट मंदिरा शर्मा और सीनियर अंडर ऑफिसर शिवम गुप्ता को सर्वोच्च एनसीसी कैडेट चयन प्रतियोगिता में अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया।

गोरखपुर। मंगलवार • 10 दिसम्बर • 2024 | राष्ट्रीय सहारा

एमपी शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह का मुख्य महोत्सव आज

गोरखपुर (एसएनबी)। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह का मुख्य महोत्सव (समापन कार्यक्रम) मंगलवार को महाराणा प्रताप इंटर कालेज के मैदान पर भव्यतापूर्वक होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोरक्षपीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में नोबल पुरस्कार विजेता, बचपन बचाओ आंदोलन के प्रणेता कैलाश सत्यार्थी उपस्थित होंगे। इस वर्ष परिषद की तरफ से उत्कृष्टता के आधार पर संस्थाओं, शिक्षकों, कर्मचारियों और 800 विद्यार्थियों को ट्रॉफी, पदक व नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह मंगलवार सुबह 9.30 बजे से प्रारम्भ होगा।

1932 में पूर्व पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण के ध्येय से ब्रह्मलीन गोरक्षपीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के 92वें संस्थापक सप्ताह का शुभारंभ चार दिसंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के साथ हुआ था। शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर उपस्थित थे। 10 दिसंबर को इसका समापन सप्ताह भर चली विभिन्न प्रतियोगिताओं के मेधावियों को पुरस्कृत करने के साथ होगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के हाथों पुरस्कृत होंगी। इस दौरान परिषद की सर्वश्रेष्ठ संस्था, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी, इंटरमीडिएट, स्नातक व परास्नातक के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा।

एमपी कन्या इंटर कालेज रमदतपुर को मिलेगा श्रेष्ठतम संस्था का पुरस्कार : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक समारोह के समापन अवसर पर श्रेष्ठतम संस्था का महायोगी श्री गोरक्षनाथ स्वर्ण पदक कन्या इंटर कालेज रमदतपुर को मिलेगा। श्रेष्ठतम परिचारक के लिए ब्रह्मलीन महंत गोपालनाथ स्वर्ण पदक एमपी इंटर कालेज सिविल लाइंस के बृजानंद को, श्रेष्ठतम कर्मचारी के लिए योगिराज बाबा ब्रह्मनाथ स्वर्ण पदक डीवीएनपीजी कालेज के बृजेश विश्वकर्मा को, श्रेष्ठतम शिक्षक के लिए योगिराज बाबा गंभीरनाथ स्वर्ण पदक गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के शिक्षक डा. सुमित कुमार को प्राप्त होगा।

- सीएम योगी करेंगे अध्यक्षता, मुख्य अतिथि होंगे नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी
- 800 विद्यार्थियों को मिलेगा पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति

श्रेष्ठतम विद्यार्थी और स्मृति पुरस्कार भी दिए जाएंगे : महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं में स्नातकोत्तर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी के रूप में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक डीवीएनपीजी कालेज के सागर चौधरी को, स्नातक में श्रेष्ठतम विद्यार्थी के रूप में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ के निमिष सिंह को तथा हाईस्कूल-इंटर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी का महाराणा मेवाड़ स्वर्ण पदक एमपी बालिका इंटर कालेज सिविल लाइंस की गौरी गौड़ को प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 12 मेधावियों को विभिन्न विभूतियों के नाम पर नकद राशि सहित स्मृति पुरस्कार और बोर्ड परीक्षा व विश्वविद्यालय परीक्षा में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले नौ विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

शिप्रा सिंह की पुस्तक 'शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का होगा विमोचन : संस्थापक समारोह के मुख्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के हाथों एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ में शिक्षा शास्त्र विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह की पुस्तक शिक्षा की भारतीय अवधारणा का विमोचन किया जाएगा।

गोरखपुर, मंगलवार, 10 दिसंबर, 2024

जागरण

संस्थापक सप्ताह का मुख्य महोत्सव आज

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : बीते चार दिसंबर से शुरू हुआ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का 92वां संस्थापक सप्ताह समारोह मंगलवार को सम्पन्न होगा। अंतिम दिन महाराणा प्रताप इंटर कालेज के मैदान में मुख्य महोत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसके मुख्य अतिथि बचपन बचाओ आंदोलन के प्रणेता व नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी होंगे। महोत्सव की शुरुआत मंगलवार की सुबह 9:30 बजे होगी।

महोत्सव की अध्यक्षता शिक्षा परिषद के संरक्षक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरान वह विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ट्राफी, पदक और नकद पुरस्कार से सम्मानित करेंगे। इनमें 800 विद्यार्थी शामिल होंगे। इस दौरान परिषद की सर्वश्रेष्ठ संस्था, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी, इंटरमीडिएट, स्नातक व परास्नातक के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं में स्नातकोत्तर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी के रूप में ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ स्वर्ण पदक डीवीएनपीजी कालेज के सागर चौधरी को, स्नातक के श्रेष्ठतम विद्यार्थी के रूप में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ के निमिष सिंह को और हाईस्कूल-इंटर के श्रेष्ठतम विद्यार्थी का महाराणा मेवाड़ स्वर्ण पदक एमपी बालिका इंटर कालेज सिविल लाइंस की गौरी गौ को प्रदान किया जाएगा। 12 मेधावियों को विभिन्न विभूतियों के नाम पर नकद राशि सहित स्मृति पुरस्कार और परीक्षा में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले नौ विद्यार्थियों को विशेष छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और नोबल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के हाथों एमपीपीजी कालेज जंगल धूसड़ के शिक्षा शास्त्र विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह की पुस्तक 'शिक्षा की भारतीय अवधारणा' का विमोचन किया जाएगा।

गोरखनाथ मंदिर में पत्नी सुगंधा के साथ गुरु श्रीगोरक्षनाथ का दर्शन-पूजन करते नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी • गोरखनाथ मंदिर

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक–आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज में पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान–विज्ञान एवं कौशल से ओत–प्रोत शिक्षा के प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र के एक अग्रणी संस्था है। महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ''ध्येय पथ'' नाम से मासिक ई–पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में दिसम्बर माह की मासिक ई–पत्रिका ध्येय–पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय,
जंगल धूसड़, गोरखपुर